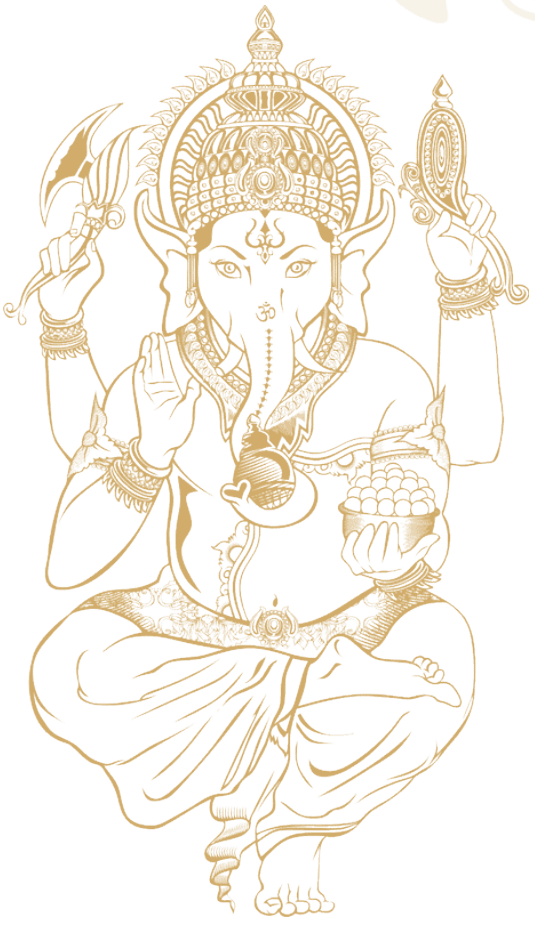

Mr.Vishal Sharma

Ms. Vidushi Sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120186502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/01/1990	जन्म तिथि	25/01/1992
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 14:30:00	जन्म समय	14:30:00 घंटे
घटी 18:06:30	जन्म समय(घटी)	18:12:09 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:23	सूर्योदय	07:13:08
17:40:16	सूर्यास्त	17:53:43
23:43:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:05

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 5वर्ष 1मा 7दि	10:13:03	वृष	लग्न	वृष	26:42:57	**मंगल 5वर्ष 10मा 25दि**
गुरु	24:06:01	धनु	सूर्य	मक	10:53:14	**गुरु**
15/02/2020	16:31:44	वृष	चंद्र	कन्या	25:25:13	**21/12/2015**
15/02/2036	21:07:51	वृश्चि	मंगल	धनु	18:10:26	**21/12/2031**
गुरु 05/04/2022	25:46:18	धनु व	बुध	धनु	29:03:54	गुरु 07/02/2018
शनि 16/10/2024	10:31:19	मिथु व	गुरु व	सिंह	19:50:45	शनि 21/08/2020
बुध 22/01/2027	10:37:46	मक व	शुक्र	धनु	06:20:20	बुध 27/11/2022
केतु 29/12/2027	22:45:03	धनु	शनि	मक	14:56:36	केतु 02/11/2023
शुक्र 29/08/2030	23:02:17	मक व	राहु व	धनु	15:49:58	शुक्र 03/07/2026
सूर्य 17/06/2031	23:02:17	कर्क व	केतु व	मिथु	15:49:58	सूर्य 22/04/2027
चन्द्र 16/10/2032	12:28:29	धनु	हर्ष	धनु	21:22:04	चन्द्र 21/08/2028
मंगल 22/09/2033	18:34:39	धनु	नेप	धनु	23:22:52	मंगल 28/07/2029
राहु 15/02/2036	23:32:56	तुला	प्लूटो	तुला	28:55:45	राहु 21/12/2031

लग्न-चलित

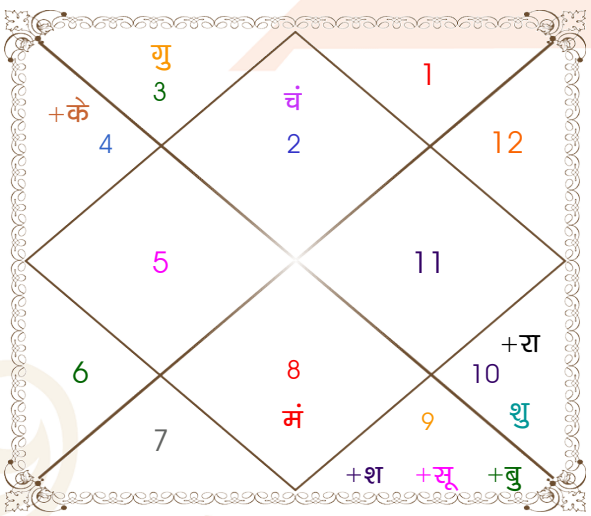

लग्न-चलित

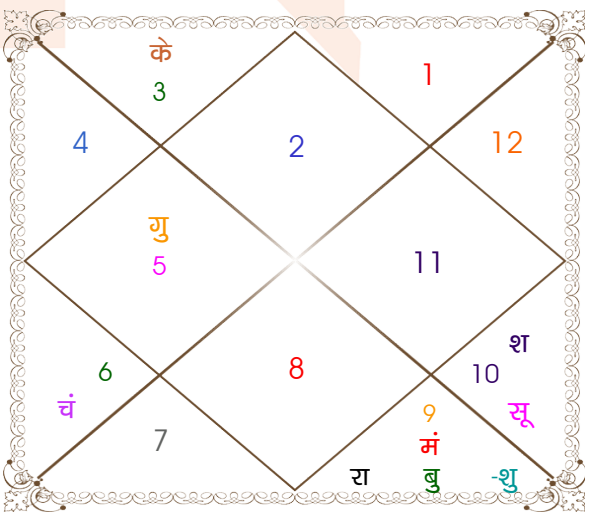

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्टपींसॅ ींतउं का वर्ग मृग है तथा डेण टपकनीपॅ ींतउं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्टपींसॅ ींतउं और डेण टपकनीपॅ ींतउं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्टपींसॅ ींतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्टपींसॅ ींतउं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण टपकनीपॅ ींतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डेण टपकनींप ँतिउं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डतण्टर्पीस ँतिउं कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्टर्पीस ँतिउं तथा डेण टपकनींप ँतिउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।